

इस अंक में...

- 5 सम्पादकीय
- 6 समसामयिकी घटना संग्रह
- 7 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

14 आर्थिक घटना संग्रह

- आरबीआई की मौद्रिक नीति दिसम्बर 2021 में रेपो दर लगातार 9वीं बार अपरिवर्तित
- RBI ने PNB और ICICI बैंक पर लगाया जुर्माना
- प्रधानमंत्री मोदी ने जेवर में नोएडा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की आधारशिला रखी
- भारत में पहली बार पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं अधिक

18 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- प्रधानमंत्री मोदी ने किया श्रीकाशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण
- भारत में महिलाओं की शादी की उम्र 18 से 21 वर्ष होगी
- महाराष्ट्र में रोजगार योग्य प्रतिभाएं सबसे ज्यादा
- चुनाव सुधार से सम्बन्धित बिल लोक सभा में पास
- 15 से 18 वर्ष के आयु के बच्चों को 3 जनवरी से कोविड वैक्सीन

21 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- 21वाँ भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में सम्पन्न
- भारत अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन परिषद् के लिए फिर से चुना गया
- म्यांमार की आंग सान सू की को जेल की सजा
- 2025 तक दक्षिण कोरिया को मिलेगा दुनिया का पहला तैरता शहर
- वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक में भारत 66वें स्थान पर

25 खेल खिलाड़ी

- अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज
- एक पारी में 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने एजाज पटेल
- एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने नाम किया एटीपी फाइनल्स खिताब
- एशियाई नौकायन चैम्पियनशिप में भारत ने जीते 6 पदक

28 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

31 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

- 33 पारिस्थितिकी लेख—जलवायु परिवर्तन सम्मेलन और वन सुरक्षा घोषणा-पत्र के निहितार्थ
- 34 पुरातात्विक लेख—क्या बदल जाएगी मानव विकास की कहानी?
- 35 प्रौद्योगिकी लेख—(i) पाँचवीं पीढ़ी का मोबाइल नेटवर्क : क्षमता एवं सम्भावनाएं
- 36 (ii) फ्यूजन इग्निशन द्वारा असीमित स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन
- 67 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 69 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-139 का परिणाम
- 70 रोजगार अवसर
- 72 अर्द्धवार्षिकी : समसामयिक घटनाएं

हल प्रश्न-पत्र

- 37 एस.एस.सी. द्वारा आयोजित कम्बाइंड हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल परीक्षा, 2020
- 46 राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा, 2021
- 50 राजस्थान पटवार भर्ती परीक्षा, 2021

मॉडल हल

- 61 आगामी उत्तर प्रदेश लेखपाल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन

सम्पादक : राहुल जैन

रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

— सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005

फोन-2531101, 2530966

— दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002

फोन-011-23251844, 43259035

— पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, पटना-800 004

मो-09334137572

— हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्धा बैंक के बगल में), हैदराबाद-500 036 (तेलंगाना)

मो-09391487283

— हल्दानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, हल्दानी, जिला-नैनीताल-263 139 (उत्तराखण्ड)

मो-07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनिकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.



सुनिए—भीतर की आवाज क्या कह रही है?

“The inner voice is something which cannot be described in words. But sometimes we have a positive feeling that something in us prompts us to do a certain things. The time when I learnt to recognise this voice was. I may say, the time when I started praying regularly.”

—Mahatma Gandhi

मैं भीतर की आवाज हूँ—तुम्हारे हृदय में निवास करती हूँ. मुझे सुनते हुए लोग झिझकते हैं, कुछ डरते हों और बहुत लोग मेरे बात को सुनी-अनसुनी कर देते हैं. जीवन की त्रासदी अंधकार से डरना नहीं है, बल्कि प्रकाश से परहेज करने से उत्पन्न होती है.

मुझे सुनने और समझने के लिए आँखें बन्द कीजिए जिससे दुनिया की रंगीनी की ओर से आपका मन हट जाए. आप अपने मन को निश्चल कीजिए जिससे आपका दिमाग चारों ओर दौड़ना बन्द कर दे, आपकी ज्ञानेन्द्रियों के साथ उसका सम्पर्क समाप्त हो जाए और उसके भीतर होने वाली उथल-पुथल, चकर-चकर आदि रुक जाएं. अब आप सुनिए, मैं क्या कहती हूँ ?

किसी भी वस्तु के निर्माण में काफी श्रम और समय लगता है. आपके शरीर के निर्माण में अगणित वर्ष लगे हैं, प्रकृति को अनेकानेक प्रयोग करने पड़े हैं. आप प्रकृति में उपलब्ध चट्टानों, अवशेषों आदि के विकास में लिखी कहानी को पढ़ने का प्रयत्न कीजिए. उसकी भाषा समझने पर आपको विदित होगा कि एक-एक वस्तु के निर्माण के लिए प्रकृति को अनेकानेक प्रयोग करने पड़े हैं. डार्विन की विकास प्रक्रिया में आने वाले प्राणियों का निर्माण प्रकृति ने एक-एक कोशिका को साज-सँवार कर किया है. आपका शरीर तो इस निर्माण की प्रायः अन्तिम परिणति है. इसकी मशीनरी का एक-एक अवयव निर्माण की अद्भुत प्रक्रिया का परिचायक है. धर्मशास्त्र कहते हैं कि चौरासी लाख जीवों के निर्माण के बाद मनुष्य

का शरीर सम्भव हुआ है. अवतारों की चर्चा इस प्रक्रिया की एक झलक प्रदान करती है, जो भी हो इस दुर्लभ शरीर को आप प्रकृति की बहुत बड़ी देन अथवा नियामत समझिए. इसने तुमको कितना अच्छा इंसान बना दिया है, यदि इसके अनुरूप आचरण करोगे तो लोग स्वयं तुम्हारे प्रति आकर्षित होंगे और इस प्रकार तुम मानव जाति में सद्भावना एवं भ्रातृत्व का वातावरण उत्पन्न करने में सहायक बनोगे.